दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-९५ वा | सोमवार ९ फ़रवरी २०२६ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

ससंघचालक किसी भी जाति का व्यक्ति बन सकता है: मोहन भागवत का इशारा।

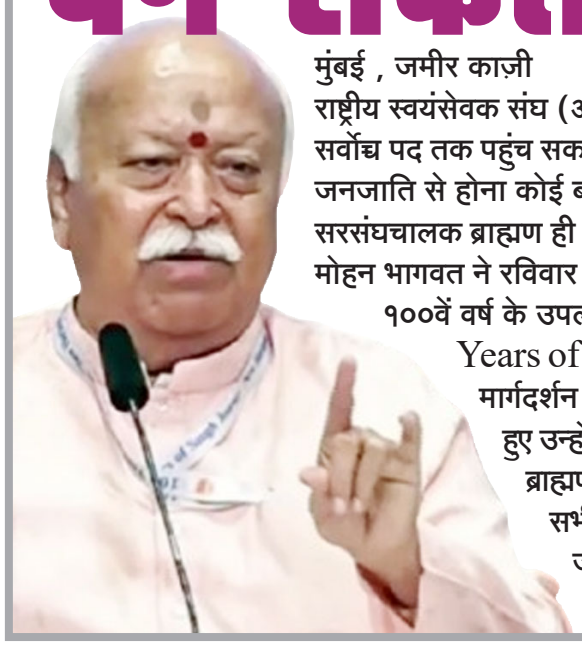

मुंबई , जमीर काज़ी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में किसी भी जाति का व्यक्ति सर्वोच्च पद तक पहुंच सकता है। अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से होना कोई बाधा नहीं है और यह भी आवश्यक नहीं कि सरसंघचालक ब्राह्मण ही हो-यह स्पष्ट प्रतिपादन आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को किया। वे आरएसएस की स्थापना के १००वें वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष व्याख्यानमाला १०० Years of Sangh Journey: New Horizons में मार्गदर्शन कर रहे थे। संघ की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि स्थापना के शुरुआती दौर में संघ में ब्राह्मणों की संख्या अधिक थी, लेकिन संघ का कार्य सभी जातियों के लिए है। सरसंघचालक किसी विशेष जाति का नहीं होता-जो भी सरसंघचालक बनता है, वह केवल हिंदू होता है।

मोहन भागवत ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता शब्द का प्रयोग भ्रामक है; इसके स्थान पर पंथनिरपेक्षता कहा जाना चाहिए, क्योंकि धर्म जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि भारत केवल एक भौगोलिक नाम नहीं, बल्कि एक स्वभाव है। हिंदू कोई नाम नहीं, बल्कि एक विशेषण है- भारत में रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति हिंदू है, ऐसा उन्होंने स्पष्ट किया।

संघ के कार्यों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि संघ ने पहले ही तय कर लिया है कि वह पूरे समाज के संगठन के अलावा कोई अन्य कार्य नहीं करेगा। संघ का कार्य पूरे भारत के लिए है और यह समाज के प्रेम तथा स्वयंसेवकों की निष्ठा से संचालित होता है।

भाषा के विषय में उन्होंने कहा कि आरएसएस अंग्रेज़ी भाषा का विरोधी नहीं है। जहां अंग्रेज़ी के बिना काम संभव नहीं होता, वहां उसका उपयोग किया जाता है; हालांकि, प्राथमिकता मातृभाषा या हिंदी के प्रयोग को दी जाती है।

घर वापसी के मुद्दे पर मोहन भागवत ने कहा कि प्रत्येक धार्मिक विचार का सम्मान किया जाना चाहिए। जहां जबरन धर्मांतरण हुआ हो, वहां संबंधित व्यक्ति की इच्छा से उसे उसके मूल धर्म में वापस लाने पर चर्चा हो सकती है।

अब तक के सरसंघचालक

अब तक हुए ६ सरसंघचालकों में से ५ ब्राह्मण रहे हैं। वर्तमान सरसंघचालक मोहन भागवत भी ब्राह्मण हैं। चौथे सरसंघचालक प्रो. राजेंद्र सिंह उर्फ 'रज्जू भैय्या' राजपूत (ठाकुर) समुदाय से थे।

मुंबई में आयोजित इस विशेष व्याख्यानमाला में कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों की उपस्थिति रही। अभिनेता सलमान खान भी कार्यक्रम के पहले दिन (७ फरवरी) उपस्थित रहे, जिससे विशेष ध्यान आकर्षित हुआ। उल्लेखनीय है कि यह कार्यक्रम पहले आयोजित होना था, लेकिन राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान दुर्घटना में निधन के कारण इसे स्थगित करना पड़ा था। इससे पहले दिल्ली में भी इसी प्रकार के कार्यक्रम में मोहन भागवत संबोधन कर चुके हैं।

अगला चंपावती महोत्सव बीड के अत्याधुनिक नाट्यगृह में होगा-विधायक विजयसिंह पंडित की गारंटी

कलाकारों की मांगें पूरी करना अब हमारी सामूहिक जिम्मेदारी-अनिलदादा जगताप

बीड (प्रतिनिधि):

कला और संस्कृति की समृद्ध परंपरा वाले बीड जिले में नई कलाकार पीढ़ी को गढ़ने का महत्वपूर्ण कार्य चंपावती महोत्सव के माध्यम से किया जा रहा है। अब तक नाट्यगृह में पर्याप्त सुविधाओं के अभाव के कारण कलाकारों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। हालांकि, अब नाट्यगृह के नवीनीकरण और अत्याधुनिक सुविधाओं के लिए साढ़े आठ करोड़ रुपये की निधि मंजूर हो चुकी है, जिससे कलाकारों के अपने नाट्यगृह का स्वरूप पूरी तरह बदलने जा रहा है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेता एवं विधायक विजयसिंह पंडित ने आश्वासन दिया कि आगामी चंपावती महोत्सव बीड के अपडेटेड नाट्यगृह में ही आयोजित किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि चंपावती महोत्सव को निरंतर जारी रखने के लिए सभी मिलकर पहल करेंगे।

दिनांक ८ फरवरी २०२० को अनिलदादा जगताप फाउंडेशन और शिवसेना बीड द्वारा आयोजित चंपावती महोत्सव, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे महाकरंडक प्रतियोगिता के अंतर्गत अंग्रेजी माध्यम के समूह नृत्य, युगल नृत्य और एकल अभिनय प्रतियोगिताओं का भव्य उद्घाटन विधायक विजयसिंह पंडित की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर बीड नगर परिषद के उपनगराध्यक्ष विनोद मुळूक, ▶▶पान ४ पे

पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व.अजितदादा पवार को श्रद्धांजलि

भाजपा युवा नेता डॉ. योगेश क्षीरसागर ने बारामती में परिजनों से की सांत्वना भेंट

बीड: राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री स्वर्गीय अजितदादा पवार के निधन के बाद बारामती में भाजपा के युवा नेता डॉ. योगेश क्षीरसागर ने उपमुख्यमंत्री एवं बीड जिले की पालकमंत्री सुनेत्राताई पवार तथा पार्थदादा पवार से भेंट कर गहरी संवेदना व्यक्त की।

इस अवसर पर डॉ. क्षीरसागर ने दिवंगत अजितदादा पवार की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया।

हिमंत बिस्वा शर्मा के नफरत फैलाने वाले बयानों पर रोक कौन लगाएगा?

असम के मुख्यमंत्री के भड़काऊ बयानों पर फेडरेशन ऑफ महाराष्ट्र मुस्लिम्स (FMM) का सवाल

जालना (सैयद शाकिर के माध्यम से):

पिछले कई दिनों से असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा द्वारा दिए जा रहे मुस्लिम विरोधी बयानों पर फेडरेशन ऑफ महाराष्ट्र मुस्लिम्स ने कड़ा रुख अपनाते हुए कानून लागू करने वाली एजेंसियों, सरकार और न्यायपालिका से सवाल किया है कि आखिर ऐसे भड़काऊ बयानों पर रोक कौन लगाएगा।

फेडरेशन के पदाधिकारियों ने हैरानी जताई कि असम के मुख्यमंत्री ने कुछ ही दिनों के भीतर कई बार मुसलमानों के खिलाफ बयान दिए, लेकिन प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। उन्होंने सवाल उठाया कि जनता इस खामोशी को क्या समझे-क्या इसे मौन समर्थन माना जाए?

फेडरेशन ने कहा कि देश देख रहा है कि सुप्रीम कोर्ट का विवेक आवारा कुत्तों के मामलों में तो स्वतः संज्ञान लेकर सक्रिय हो जाता है और नागरिकों को राहत देने के आदेश देता है, लेकिन जब संवैधानिक पदों पर बैठे कुछ जिम्मेदार लोग नफरत और उकसावे की भाषा का इस्तेमाल करते हैं, तब सर्वोच्च न्यायालय की ओर से भी चुप्पी दिखाई देती है।

फेडरेशन ऑफ महाराष्ट्र मुस्लिम्स ने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की उस मांग का समर्थन किया, जिसमें कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट को तत्काल स्वतः संज्ञान लेते हुए नफरत फैलाने वालों को कानून के दायरे में लाना चाहिए। फेडरेशन ने अफसोस जताया कि अब भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष पदों पर आसीन नेता भी खुलेआम मुस्लिम विरोधी बयान देने में आगे बढ़ते नजर आ रहे हैं।

बयान में कहा गया कि उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और असम के मुख्यमंत्रियों के बीच मानो यह होड़ लगी हुई है कि मुसलमानों के खिलाफ कौन अधिक जहर उगल ▶▶पान ४ पे

आष्टी नगर पंचायत में सर्वांगीण विकास की नई इबारत

विधायक सुरेश धस के नेतृत्व में विकासात्मक क्रांति, कब्रिस्तान पर एक करोड़ से अधिक खर्च, पाँच करोड़ के शादीखाने का निर्माण प्रारंभ

नगराध्यक्ष मिर्ज़ा ज़िया बेग की सराहनीय भूमिका

आष्टी (विशेष प्रतिनिधि):

बीड जिले की आष्टी नगर पंचायत ने हाल के दिनों में विकास के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम की है। नगर क्षेत्र में हो रहे व्यापक विकास कार्यों ने न केवल स्थानीय नागरिकों का ध्यान आकर्षित किया है, बल्कि पूरे जिले में आष्टी नगर पंचायत की एक अलग पहचान भी बनाई है। ये सभी विकासात्मक कार्य विधायक सुरेश धस के प्रभावी नेतृत्व एवं नगराध्यक्ष मिर्ज़ा ज़िया बेग की सक्रिय निगरानी में किए जा रहे हैं, जो पारदर्शिता और गति के साथ प्रगति पर हैं। इन योजनाओं के माध्यम से बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ सामाजिक समरसता को भी मजबूती दी जा रही है।

नगर पंचायत आष्टी के अंतर्गत काली मस्जिद परिसर में नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से विशेष योजना के तहत बड़े पैमाने पर विकास कार्य प्रारंभ किए गए हैं। इसी योजना के अंतर्गत काली मस्जिद के समीप सुरक्षा दीवार (संरक्षक भिंत) के निर्माण के लिए १०० लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है, जिससे बरसात के मौसम में जलभराव और कटाव से क्षेत्र को सुरक्षा मिलेगी।

इसके अलावा विशेष सड़क योजना के तहत काली मस्जिद क्षेत्र में २० लाख रुपये की लागत से पेवर ब्लॉक सड़क तथा ३० लाख रुपये की लागत से पक्की सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इन सड़कों के बन जाने से आवागमन सुगम होगा और स्थानीय व्यापारियों, विद्यार्थियों व आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी।

इस विकास यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहलू विशिष्ट योजना के अंतर्गत मुस्लिम समाज के लिए प्रस्तावित ५ करोड़ रुपये के शादीखाने का निर्माण है। यह परियोजना आष्टी शहर ही नहीं, बल्कि पूरे बीड जिले में अपनी तरह की पहली बड़ी सामाजिक पहल मानी जा रही है।

शादीखाने के निर्माण के लिए प्रारंभिक

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

जो किसी सरकारने नहीं किया, वह मोदी सरकारने कर दिखाया-सलीम जहाँगीर

अल्पसंख्यक मंत्रालय के लिए ३४०० करोड़ का प्रावधान, मुस्लिम समाज के हितों को प्राथमिकता

बीड (प्रतिनिधि):

देश में अब तक जो कार्य किसी भी सरकार से संभव नहीं हो पाया, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने साकार कर दिखाया है। देश के इतिहास में पहली बार अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के लिए इतनी बड़ी धनराशि का प्रावधान किया गया है। केंद्र सरकार ने मंत्रालय के लिए कुल ३४०० करोड़ रुपये की व्यवस्था कर देश के मुस्लिम एवं अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के आर्थिक उत्थान का स्पष्ट लक्ष्य सामने रखा है।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री सलीम जहाँगीर ने कहा कि मोदी सरकार का यह निर्णय मुस्लिम समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि यह बजट अल्पसंख्यक समुदाय के प्रति सरकार की सकारात्मक और संवेदनशील सोच को दर्शाता है।

सलीम जहाँगीर ने आगे कहा कि महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, भाजपा नेत्री पंकजाताई मुंडे तथा डॉ. प्रीतमताई मुंडे के नेतृत्व में राज्य का मुस्लिम समाज भी बड़े पैमाने पर विकास की प्रक्रिया से जुड़ रहा है और सरकारी योजनाओं का लाभ उठा रहा है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में वर्ष २०२६-२७ का केंद्रीय बजट प्रस्तुत किया। इस बजट में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के लिए ३४०० करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो कि पिछले वित्तीय वर्ष २०२५-२६ में आवंटित ३३९५ करोड़ रुपये की तुलना में ४.३८ करोड़ रुपये अधिक है।

इस बढ़ी हुई राशि से यह संदेश स्पष्ट होता है कि केंद्र सरकार अल्पसंख्यक समुदाय के सामाजिक और आर्थिक विकास को निरंतर प्राथमिकता देती रहेगी। वर्ष २०२६-२७ के लिए मंत्रालय के कुल बजट में केंद्रीय क्षेत्र योजनाओं के लिए १८४.४५ करोड़ रुपये (२०२५ में १८०.०७ करोड़), प्रमुख योजनाओं के लिए लगभग २००० करोड़ रुपये तथा प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के लिए ११९७ करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

इस निधि के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और सामुदायिक बुनियादी ढांचे का विकास किया जाएगा। प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूलों, छात्रावासों, स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक भवनों के निर्माण व सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ कमजोर और पिछड़े वर्गों को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाया जाएगा।

इसके अलावा महिलाओं के लिए संचालित योजनाओं के माध्यम से नेतृत्व क्षमता विकास, आर्थिक साक्षरता और आत्मविश्वास बढ़ाने हेतु विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी लागू किए जा रहे हैं। सलीम जहाँगीर ने कहा कि इन योजनाओं का लाभ मुस्लिम समाज की महिलाओं को भी बड़े पैमाने पर मिल रहा है और वे आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

पत्रकार रईस खान 'आफताब-ए-सहाफत' पुरस्कार से सम्मानित

२५ वर्षों की पत्रकारिता सेवा के लिए 'खादिमीन-ए-उम्मत' द्वारा सम्मान

बीड-(संवाददाता)-बीड के वरिष्ठ पत्रकार रईस खान सिकंदर खान पठाण को 'खादिमीन-ए-उम्मत' संस्था की ओर से राज्यस्तरीय प्रतिष्ठित 'आफताब-ए-सहाफत' (पत्रकारिता का सूर्य) पुरस्कार से सम्मानित किया गया पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके २५ वर्षों के निष्ठावान, ईमानदार और समाजोन्मुखी कार्य की सराहना करते हुए नांदेड में आयोजित भव्य समारोह में यह पुरस्कार प्रदान किया गया.

'खादिमीन-ए-उम्मत' संस्था संपूर्ण महाराष्ट्र में धार्मिक एवं नैतिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में कार्यरत है संस्था के अध्यक्ष आबिद खान पठाण, बीड समन्वयक सैयद मोहम्मद अली हाशमी, हजरत नदीम मिर्जा तथा अर्शद सिद्दीकी के विशेष प्रयासों से यह पुरस्कार समारोह संपन्न हुआ इस अवसर पर पत्रकारिता क्षेत्र में विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा अर्जित करने वाले रईस खान के कार्यों का विशेष रूप से गौरव किया गया.

इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध धर्मगुरु मुफ्ती कौसर आफाक, राज्य नेता सय्यद मोईन, एडवोकेट एम. ज़ेड. सिद्दीकी, मुफ्ती गाज़ी उमैर, एडवोकेट अब्दुल रहमान सिद्दीकी, डॉ. फैयाज आलम कासमी, मुफ्ती सोहेब खान नदवी, डॉ. चोपदार मोहम्मद शफी, डॉ. मोहम्मद साजिद, शाह मोईनउद्दीन सहित शिक्षा, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

रईस खान ने उर्दू सहित अन्य भाषाओं में भी पत्रकारिता का उत्कृष्ट कौशल सिद्ध किया है उन्होंने औरंगाबाद टाईम्स, दैनिक अल-हिलाल टाईम्स (बीड), दैनिक इन्साफ, दैनिक तामीर, औरंगाबाद सिटीजन्स जैसे समाचार पत्रों में जिला प्रतिनिधि के रूप में कार्य किया है वर्तमान में वे औरंगाबाद सिटीजन्स के प्रतिनिधि हैं तथा महा टाइम्स डॉट इन और बीड इन्साफ के मुख्य संपादक हैं साथ ही वे महाराष्ट्र राज्य मराठी पत्रकार संघ के बीड जिला उपाध्यक्ष पद पर भी कार्यरत हैं उनकी इस उल्लेखनीय सेवा के लिए उन्हें सभी स्तरों से हार्दिक बधाइयाँ दी जा रही हैं.

गुजरात में बढ़ती आत्महत्याओं की चिंताजनक स्थिति: रोजाना औसतन २५ लोग अपनी जान दे रहे हैं

हबीब शेख, अहमदाबाद

हालांकि अन्य राज्य गुजरात को बहुत समृद्ध और अमीर मानते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि लोग संतुष्ट नहीं हैं। बच्चों की जिम्मेदारी, महंगाई या बेरोजगारी के कारण लोग अपनी जिंदगी छोटी करने का रुझान बढ़ा रहे हैं। अगर पुलिसकर्मियों को भी आत्महत्या करनी पड़ रही है, तो सोचिए आम आदमी की क्या हालत होगी।

एक तरफ गुजरात में विकास की चमकदार तस्वीर पेश की जा रही है, वहीं दूसरी तरफ कर्ज, आर्थिक मजबूरियां, आर्थिक संकट, आत्महत्याएं और सामूहिक आत्महत्याओं के मामले चिंताजनक रूप से बढ़ रहे हैं। छउठइ (राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो) की रिपोर्ट के अनुसार, २०२३ में गुजरात में लगभग ९,००० लोगों ने आत्महत्या की, जो रोजाना औसतन २५ मामलों के बराबर है। बेरोजगारी कई मामलों में कारण बनी, जबकि बीमारी भी एक प्रमुख वजह रही। औसतन हर २४ घंटे में पुलिसकर्मियों के बीच भी ऐसे दुखद मामले सामने आ रहे हैं।

गुजरात पुलिस की मानसिक सेहत और काम के बोझ पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। जनवरी २०२६ में २४ घंटों के भीतर तीन पुलिसकर्मियों ने आत्महत्या की:

गांधीनगर में हेड कांस्टेबल उपेंद्रसिंह अमरसिंह वाघेला ने घर में फांसी लगाकर जान दी।

भावनगर जिले के घोघा में हेड कांस्टेबल डिग्विजयसिंह गोहिल ने जहर खाकर आत्महत्या की।

भरूच पुलिस मुख्यालय में एक महिला कांस्टेबल ने अपने कमरे में पंखे से लटककर जान दे दी।

इस तरह सरकारी कर्मचारी भी काम के दबाव, मानसिक तनाव और अन्य कारणों से आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं।

पिछले दो सालों में ४२ परिवारों ने सामूहिक आत्महत्या की है, जो आर्थिक संकट और कर्ज से जुड़ा है। चिंताजनक बात यह है कि गुजरात में रोजाना औसतन २५ लोग आत्महत्या कर रहे हैं। आसमान छूती महंगाई और बेरोजगारी के कारण रोजगार कमाना मुश्किल हो गया है।

पिछले वर्षों के आंकड़े (छउठइ आधारित):

२०२१-२२ में: लगभग ८,६१४ आत्महत्याएं

२०२२-२३ में: लगभग ८,५५७ आत्महत्याएं

२०२३ में: लगभग ९,००० आत्महत्याएं (६,२६० पुरुष, २,६८५ महिलाएं, और कुछ अन्य)

६७% मामलों में गरीबी, बीमारी, प्रेम संबंध, आर्थिक संकट और मानसिक तनाव प्रमुख कारण रहे। गुजरात में छात्रों की आत्महत्याओं में वृद्धि हुई है। पिछले ३ सालों में सैकड़ों छात्रों (कुछ रिपोर्ट्स में ४९५ तक) ने आत्महत्या की। मजदूरों में आत्महत्याओं के मामले ५०% तक बढ़े हैं, मुख्य वजह कम मजदूरी और सामाजिक सुरक्षा की कमी है।

तीन सालों में कुल २५,०००+ आत्महत्याएं दर्ज हुईं, जिनमें अहमदाबाद, सूरत और राजकोट में सबसे ज्यादा मामले हैं।

ऐसा नहीं है कि राज्य में हर कोई खुश और अमीर है। करोड़ों लोग आज भी सरकार के मुफ्त अनाज पर निर्भर हैं। लेकिन सरकार और मीडिया अक्सर विकास की चमकदार तस्वीर पेश करते हैं, जबकि जनता के सामने सच्चाई छिपी रहती है।

परळी में आयोजित महा पशुधन एक्सपो में बड़ी संख्या में भाग लें किसान-नवनाथ अण्णा शिराळे पाटील

मंत्री पंकजाताई मुंडे की पहल से बीड जिले के किसानों को मिलेगा आर्थिक संजीवनी

बीड (प्रतिनिधि):

पर्यावरण एवं पशुसंवर्धन मंत्री पंकजाताई मुंडे के माध्यम से परळी में आयोजित किए जा रहे महा पशुधन एक्सपो मेले में बीड जिले के सभी किसान भाइयों एवं पशुपालकों को बड़ी संख्या में उपस्थित रहना चाहिए, ऐसा आवाहन बीड जिला भाजपा के उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता नवनाथ अण्णा शिराळे पाटील ने किया है।

नवनाथ अण्णा शिराळे पाटील ने कहा कि महा पशुधन एक्सपो मेला बीड जिले के किसानों के लिए मानो दूध से मिश्रित मिठास भरा अमृत है। यह आयोजन किसानों और पशुपालकों के लिए नवसंजीवनी तथा नई ऊर्जा देने वाला सिद्ध होगा। इस एक्सपो के माध्यम से पशुपालन क्षेत्र को नई दिशा और मजबूती मिलेगी।

उन्होंने बताया कि बीड जिले के परळी में दिनांक १३ फरवरी से १५ फरवरी के दौरान पशुसंवर्धन विभाग द्वारा महा पशुधन एक्सपो का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के माध्यम से किसानों और पशुपालकों को आर्थिक विकास की दिशा में आगे बढ़ने का एक सुनहरा अवसर प्राप्त होगा।

मंत्री पंकजाताई मुंडे के मार्गदर्शन में आयोजित इस एक्सपो का मुख्य उद्देश्य बीड जिले सहित पूरे राज्य के किसानों और पशुपालकों को उन्नत एवं सशक्त पशुधन, उनके संरक्षण, देखभाल तथा पशुपालन क्षेत्र में उपलब्ध नवीनतम तकनीकों की जानकारी उपलब्ध कराना है।

इस महा पशुधन एक्सपो प्रदर्शनी में करीब १५०० विभिन्न प्रकार की उत्कृष्ट नस्लों और आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही पशुपालन से जुड़ी योजनाओं, प्रशिक्षण और नवाचारों पर भी प्रकाश डाला जाएगा, जिससे किसानों की आय बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

भाजपा के वरिष्ठ नेता, बीड नगर परिषद के पूर्व सभापति तथा महाराष्ट्र राज्य लोकशाही पत्रकार संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष नवनाथ जी अण्णा शिराळे पाटील ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बीड जिले के समस्त किसान भाइयों, पशुपालकों एवं नागरिकों से अपील की है कि वे इस महा पशुधन एक्सपो मेले में अवश्य भाग लें और इसका भरपूर लाभ उठाएं।

उपमुख्यमंत्री सुनेत्राताई पवार से सांत्वन भेंट

स्व. अजितदादा पवार के विमान हादसे में निधन पर रजनीताई अशोकराव पाटील ने जताया शोक

बारामती (प्रतिनिधि):

उपमुख्यमंत्री अजितदादा पवार के विमान दुर्घटना में हुए दुखद निधन से पूरा महाराष्ट्र शोकाकुल है। इसी क्रम में आज बारामती में उपमुख्यमंत्री एवं बीड जिले की पालकमंत्री सुनेत्राताई पवार से सांसद रजनीताई अशोकराव पाटील ने भेंट कर गहरी संवेदना व्यक्त की।

इस दौरान शोक की भावना इतनी प्रबल थी कि उपस्थित लोगों की आंखें नम हो गईं। रजनीताई पाटील ने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया और दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की।

पान १ वरून

अगला चंपावती महोत्सव बीड के अत्याधुनिक ...

राष्ट्रवादी कांग्रेस के गटनेता फारुख पटेल, शिवसेना के नगरसेवक एवं बांधकाम सभापति संजय उडान, राष्ट्रवादी कांग्रेस के स्वच्छता सभापति शेख निजाम, बाळासाहेब गुंजाळ, नगरसेविकाएं रेशमा सरवदे, मोमीन सीमा परवीन, नगरसेवक जैतुल्ला खान, सीता मोरे, भैय्यासाहेब मोरे, मोहम्मद नुज़हत आरा मुनिरुद्दीन, शेख अशफाक शेख इशाक, मनोज गोडसे, शिवसेना के नगरसेवक सूरज चुंगडे, शीतल चक्रे, एमआईएम के नगरसेवक सैयद इलियाज हमीद, नगरसेवक दिनेश मुंदडा, भीमराव वाघचौरे, रणजीत बनसोडे, प्रमोद शिंदे सहित शिवसेना के अनेक पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सभी अतिथियों का शिवसेना की ओर से स्वागत एवं सम्मान किया गया।

उद्घाटन समारोह का प्रास्ताविक चंपावती महोत्सव के संस्थापक अध्यक्ष प्रतीक कांबळे ने किया। उन्होंने बीड नाट्यगृह के नवीनीकरण की तत्काल शुरुआत करने, यह कार्य कलाकारों की निगरानी में कराने तथा अपडेटेड नाट्यगृह में केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम ही आयोजित करने की मांग कलाकारों की ओर से रखी।

इस अवसर पर शिवसेना के जिला प्रमुख अनिलदादा जगताप ने कहा कि कलाकारों की मांगें पूरी करना अब हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और कलाकारों की प्रतिभा को समृद्ध करने वाला चंपावती महोत्सव निरंतर चलता रहेगा।

राष्ट्रवादी कांग्रेस के गटनेता फारुख पटेल ने कहा कि शिवसेना जिला प्रमुख अनिलदादा जगताप और कलाकार प्रतीक कांबळे द्वारा बाल कलाकारों के लिए शुरू किया गया चंपावती महोत्सव आज बीड जिले की एक बड़ी सांस्कृतिक आंदोलन और कला क्षेत्र की पहचान बन चुका है।

बीड नगर परिषद के उपनगराध्यक्ष विनोद मुळूक ने जानकारी दी कि नाट्यगृह की मरम्मत के लिए लगातार प्रयास कर साढ़े आठ करोड़ रुपये की निधि मंजूर करवाई गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि यह संपूर्ण निधि केवल कलाकारों के नाट्यगृह की मरम्मत और अत्याधुनिक सुविधाओं के लिए ही उपयोग की जाएगी और एक भी रुपया व्यर्थ नहीं जाएगा।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि निधि का उपयोग पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाएगा और संपूर्ण खर्च का विवरण नागरिकों के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। उनकी इस ठोस भूमिका का उपस्थित कलाकारों और रसिक दर्शकों ने जोरदार तालियों के साथ स्वागत किया और संतोष व्यक्त किया।

हिमंत बिस्वा शर्मा के नफरत...

सकता है। यह प्रतिस्पर्धा न तो देश के लिए और न ही आम जनता के लिए हितकारी है, बल्कि इससे देश में अराजकता फैलने का खतरा हर गुजरते दिन के साथ बढ़ता जा रहा है।

फेडरेशन ने अपील की कि यदि सरकार और न्यायपालिका खामोश हैं, तो सामाजिक कार्यकर्ताओं और मानवाधिकार संगठनों को आगे आकर दबाव बनाना चाहिए, ताकि नफरत और उकसावे में लिप्त तत्वों के खिलाफ कार्रवाई हो सके और देश को एक बड़े संकट की ओर बढ़ने से रोका जा सके।

फेडरेशन ने कहा कि आज़ादी के बाद करोड़ों नागरिकों ने जिस खुशहाल भविष्य का सपना देखा था, उसे साकार करने में जो भी बाधाएँ हैं, उन्हें दूर किया जाना आवश्यक है।

यह बयान फेडरेशन ऑफ महाराष्ट्र मुस्लिम्स की संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जारी किया गया। प्रेस विज्ञप्ति पर हस्ताक्षर करने वालों में कई प्रमुख धार्मिक, सामाजिक और शैक्षणिक हस्तियाँ शामिल हैं, जिनमें विभिन्न संगठनों के अध्यक्ष, महासचिव और पदाधिकारी सम्मिलित हैं।

आष्टी नगर पंचायत में सर्वांगीण...

चरण में १ करोड़ रुपये की निधि स्वीकृत की जा चुकी है और इसी राशि से निर्माण कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है। यह शादीखाना गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए कम खर्च में सम्मानजनक सामाजिक आयोजनों का एक सशक्त माध्यम बनेगा।

साथ ही कब्रिस्तानों के विकास, साफ-सफाई एवं बुनियादी सुविधाओं पर भी एक करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च की गई है, जो यह दर्शाता है कि विकास केवल भौतिक ढांचे तक सीमित नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा से भी जुड़ा हुआ है।

विधायक सुरेश धस बीड जिले के पहले ऐसे जनप्रतिनिधि माने जा रहे हैं, जिन्होंने मस्जिदों, कब्रिस्तानों और शादीखाने जैसे संवेदनशील सामाजिक व धार्मिक स्थलों के लिए बड़े पैमाने पर बजट उपलब्ध कराया। उनकी इस पहल से सामाजिक सौहार्द और आपसी विश्वास को मजबूती मिली है।

सुरेश धस ने मिर्ज़ा ज़िया बेग को नेतृत्व में सहभागी बनाकर न केवल आष्टी बल्कि पूरे जिले में एक सकारात्मक और समावेशी राजनीति की पहचान बनाई है। उनकी पूर्व प्रयासों के चलते बीड जिला परिषद के इतिहास में पहली बार मुस्लिम समाज से अध्यक्ष का चयन संभव हो पाया, जिसे आज भी सामाजिक समरसता की ऐतिहासिक उपलब्धि माना जाता है।

स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों द्वारा इन विकास कार्यों की भरपूर सराहना की जा रही है। लोगों को विश्वास है कि आने वाले समय में आष्टी नगर पंचायत विकास, भाईचारे और समान अवसरों का एक आदर्श मॉडल बनकर उभरेगी।

यह सभी योजनाएँ विधायक सुरेश धस की विकासोन्मुख सोच और नगराध्यक्ष मिर्ज़ा ज़िया बेग की प्रभावी कार्यशैली का सजीव प्रमाण हैं।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com